पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
POWER GRID CORPORATION OF INDIA LIMITED
(A Government of India Enterprise)

PRESS RELEASE

For Immediate Use

POWERGRID Acquires Sirohi Transmission Limited and Beawar-Mandsaur Transmission Limited

Power Grid Corporation of India Limited (POWERGRID) – a Maharatna CPSU under Ministry of Power has acquired two Project Special Purpose Vehicles (SPVs) viz. Sirohi Transmission Limited and Beawar-Mandsaur Transmission Limited on 22nd August 2024 for the Transmission System Projects for evacuation of power from Rajasthan REZ Phase IV (Part 2: 5.5 GW) (Jaisalmer/ Barmer Complex): Part B and Part D respectively from the Bid Process Coordinator PFC Consulting Limited (PFCCL) after competing with various private sector players and emerging as successful bidder in Tariff Based Competitive Bidding (TBCB) process.

Sirohi Transmission Limited shall implement a Transmission System comprising establishment of new 765/400 kV sub-station near Sirohi in Rajasthan, 765kV & 400kV D/C Transmission Lines and associated bays extension works at existing substation in the state of Rajasthan. The transmission system is an Inter State Transmission System Project and is to be commissioned in 24 months.

Beawar-Mandsaur Transmission Limited shall implement a Transmission System comprising establishment of 765kV D/C Transmission Line and associated bays extension works at existing sub-station in the state of Rajasthan & Madhya Pradesh. The transmission system is an Inter State Transmission System Project and is to be commissioned in 24 months.

Both the above projects are a part of the high-capacity transmission corridor that shall facilitate evacuation of 5.5 GW renewable energy from Jaisalmer/Barmer Complex (Fatehgarh-IV: 4 GW, Barmer-I: 1.5 GW) towards the load centers.

POWERGRID, through its various Projects SPVs which have been acquired through tariff bidding route, is implementing various Transmission System Projects being constructed on build, own, operate and transfer (BOOT) basis. These Projects will augment the Indian transmission infrastructure to evacuate Green Energy to the National Grid thereby reducing dependency on fossil fuels, in line with Government of India's vision of achieving 500 GW renewable energy target by year 2030.

As on 31st July 2024, POWERGRID has commissioned and is operating 278 Sub-stations and more than 1,77,790 ckm transmission lines and 532,446 MVA of transformation capacity. With the adoption of latest technological tools and techniques, enhanced use of automation and digital solutions, POWERGRID has been able to maintain average transmission system availability more than 99.8%.

Issued by:

Team Corporate Communications
Follow us on twitter: @pgcilindia
www.powergrid.in
e-mail: powergrid.pr@powergrid.in

प्रेस विज्ञप्ति

तत्काल उपयोग के लिए

पावरग्रिड ने सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड और ब्यावर-मंदसौर ट्रांसमिशन लिमिटेड का अधिग्रहण किया

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) - विद्युत मंत्रालय के तहत एक महारत्न सीपीएसयू ने विभिन्न निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) प्रक्रिया में सफल बोलीदाता के रूप में उभरने के बाद बिड प्रोसेस कोऑर्डिनेटर पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड (पीएफसीसीएल) से राजस्थान आरईजेड चरण IV (भाग 2 : 5.5 गीगावॉट) (जैसलमेर/बाड़मेर कॉम्प्लेक्स) के क्रमशः भाग बी और भाग डी से बिजली की निकासी सम्बंधित ट्रांसमिशन सिस्टम परियोजनाओं के लिए 22 अगस्त 2024 को दो प्रोजेक्ट स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड और ब्यावर-मंदसौर ट्रांसमिशन लिमिटेड का अधिग्रहण किया है।

सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड एक पारेषण प्रणाली का निर्माण करेगा जिसमें राजस्थान में सिरोही के निकट नए 765/400 केवी सब-स्टेशन की स्थापना, 765/400 केवी डी/सी ट्रांसमिशन लाइन और राजस्थान राज्य में अन्य मौजूदा सब-स्टेशन पर संबंधित बे विस्तार कार्य शामिल होंगे। यह ट्रांसमिशन सिस्टम एक अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम परियोजना है और इसे 24 महीनों में कमीशन किया जाना है।

ब्यावर-मंदसौर ट्रांसमिशन लिमिटेड एक पारेषण प्रणाली का निर्माण करेगा जिसमें 765 केवी डी/सी ट्रांसमिशन लाइन की स्थापना और राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्य में मौजूदा सब-स्टेशन पर संबंधित बे विस्तार कार्य शामिल है। यह ट्रांसमिशन सिस्टम एक अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम परियोजना है और इसे 24 महीनों में कमीशन किया जाना है।

उपरोक्त दोनों परियोजनाएं उच्च क्षमता वाले ट्रांसमिशन कॉरिडोर का एक हिस्सा हैं जो जैसलमेर/बाड़मेर कॉम्प्लेक्स (फतेहगढ़-IV: 4 GW, बाड़मेर- I: 1.5 GW) से लोड केंद्रों की ओर 5.5 GW नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी की सुविधा प्रदान करेंगी।

पावरग्रिड, टैरिफ आधारित बोली प्रक्रिया के माध्यम से हासिल अपनी विभिन्न प्रोजेक्ट एसपीवी के माध्यम से निर्माण, स्वामित्व, संचालन और हस्तांतरण (बीओओटी) के आधार पर विभिन्न ट्रांसमिशन सिस्टम परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। ये परियोजनाएं हरित ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड तक पहुंचाने के लिए भारतीय ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाएंगी, जिससे वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य प्राप्त करने के भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो सके।

31 जुलाई 2024 तक पावरग्रिड द्वारा 1,77,790 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों, 278 उप-केंद्रों और 532,446 एमवीए की ट्रांफॉर्मेशन क्षमता को कमीशन कर संचालित किया जा रहा है। नवीनतम तकनीकी उपकरणों व तकनीकों को अपनाने तथा स्वचालन और डिजिटल समाधानों के उन्नत उपयोग से पावरग्रिड 99.8% से अधिक की औसत ट्रांसमिशन सिस्टम उपलब्धता बनाए रखने में सक्षम रहा है।

जारीकर्ता:
टीम केंद्रीय संचार
हमें ट्विटर पर फ़ॉलो करें: @pgcilindia
www.powergrid.in
ई-मेल: powergrid.pr@powergrid.in